कृषि मौसम सेवा

कृषि जलवायु क्षेत्र गिर्द (मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, श्योपुर, अशोकनगर), विंध्य पठार (सागर, दमोह, भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा), मालवा पठार (उज्जैन, इन्दौर, मन्दसौर, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, देवास, नीमच), झाबुआ पहाड़ (झाबुआ, अलीराजपुर, धार) तथा निमाड़ घाटी (खरगौन, बुरहानपुर, हरदा, बड़वानी, खण्डवा) के लिये जारी।

मौसम पूर्वानुमान की वैधताः 11 – 15 अक्टूबर, 2017

- **गिर्द क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 33–38 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 20–23 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में मध्यम व छुटपुट बादल छाये रहने की संभावना है।
- **विंध्य पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 30–35 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 19–22 ^{0}C रहने की एवं वर्षा होने की संभावना है। आसमान में हल्के व मध्यम घने बादल छाये रहने की संभावना है।
- **मालवा पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 32–36 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 21–24 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में मध्यम घने बादल छाये रहने की संभावना है।
- **झाबुआ पहाड़ क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 33–35 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 21–23 ^{0}C रहने की एवं कहीं –कहीं छुटपुट वर्षा होने की संभावना है। आसमान में मध्यम घने बादल छाये रहने की संभावना है।
- **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 31–34 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 20–23 ^{0}C रहने की एवं वर्षा होने की संभावना है। आसमान में घने बादल छाये रहने की संभावना है।

किसान भाईयों के लिए कृषि परामर्शः

गिर्द

- सरसों की बोनी हेतु उपयुक्त तापमान है अतः सरसों की उन्नत किस्मों का चयन करें व बोनी पूर्व बीजोपचार अवश्य करें। बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम + 1 ग्राम कार्बान्डाजिम दवा/किग्रा बीज की दर से उपचारित कर बोनी करें।
- आगामी सप्ताह में पकी हुई फसल की कटाई गहाई का कार्य करें।
- अरहर की फसल में फ्ल व फलियां बनने की अवस्था में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु ट्राइजोफास 750 मिली दवा प्रति हैक्टर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
- चना व मटर की बोनी हेतु इस समय खेतों की तैयारी करें।

विंध्य पठार

- अमरुद एवं बेर में फल मक्खी कीट की रोकथाम करें। सिंचाई हेतु थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक दें।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन, पत्तागोभी एवं फूलगोभी आदि रबो मौसमी सब्जियों की नर्सरी बनाकर पौध तैयारी करें।
- आलू की खेती के लिए बुबाई सितम्बर माह के अन्तिम सप्ताह से प्रारम्भ करें।
- पशुओं के हरे चारे के लिए जवाहर बरसीम जे.बी.–1, जे.बी.–5/ बुन्देल बरसीम–3 / वरदान तथा आनन्द–2, टी–9 आदि बोऐं।
- बकरियों में पी.बी.आर. का टीकाकरण अवश्य करवाऐं।

मालवा पठार

- चने की फसल की बोवाई के लिये खेत की तैयारी करें। चने की बोनी के लिये उकठा प्रतिरोध प्रजतियों जैसे जेजी 130, जेजी 218, जेजी 11, जेजी 16 एवं जेजी 6 के बीज की व्यवस्था करें।
- मक्का की हरे भुट्टे वाली प्रजातियों की हार्वेस्टिंग करें फसल अवशेषों को न जलायें तथा चने की फसल की बोवाई के लिये खेत की तैयारी करें।
- आलू, मटर एवं लहसुन की बोवाई के लिये खेत की तैयारी करें।
- पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में तीन बार दें, साथ ही हरा चारा दें।
- बकरियों में पी पी आर राग के नियंत्रण के लिये टीका लगवायें।

झाबुआ पहाड़

- पककर तैयार फसल की कटाई करें व खलिहान मे वर्षा से बचाव के उपाय सहित रखें व मौसम खुलने पर व धूप मे सुखाकर गहाई करें।
- कपास की फसल मे रसचूसक कीट के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड या थायोमिथाक्सिम दवा 0.35–0.45 ग्राम/ली. की दर से छिडकाव करें।
- टमाटर, भिण्डी, मिर्च, बैगन आदि मे प्ररोह एवं फलछेदक इल्ली की रोकथाम के लिए ट्रायजोफास दवा 2.0 मिली/ली का छिडकाव करें।
- पशुओं को साफ, सूखे एवं हवादार स्थान मे रखें। पशुओं को मक्खी–मच्छर से बचाव हेतु समय– समय पशुशाला मे फिनाइल का छिडकाव करें।

निमाड घाटी

- सब्जियों में रस चूसक कीटों की रोकथाम के लिए नीम तेल 50 मिली./पम्प का छिड़काव करें।
- कपास की फसल में (90 दिन की अवस्था में) यूरिया की 20 किलो/एकड़ मात्रा का उपयोग जड़ क्षेत्र में 6 इंच गहराई पर करें।
- पशुओं को किलनी एवं जूं से रक्षा हेतु मेलाथियान/क्लीनर/ब्यूटाक्स का 2 मिली/लीटर पानी में घोल कर उनके शरीर के ऊपर लगाएं।

डॉ. एम.के. त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक (भौतिकी एवं मौसम विज्ञान)
कृषि अभियांत्रिकी विभाग
कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)

डॉ. एच.एस. भदौरिया
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
रा.वि.सिं. कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)